

मैं तो गोपाल गोपाल गाती रहूँ

मैं तो गोपाल गोपाल गाती रहूँ

मैं तो, गोपाल, गोपाल, गाती रहूँ ॥
अपने, प्यारे, मोहन को, बुलाती रहूँ ॥
मैं तो, गोपाल, गोपाल, गाती...

कभी, मधुरा में ढूँँ, कभी, गोकुल में ढूँँ ॥
कभी, बरसाने फेरे, लगाती रहूँ ॥
मैं तो, गोपाल, गोपाल, गाती...

कभी, गंगा में ढूँँ, कभी यमुना में ढूँँ ॥
कभी, सरयू में, डुबकी, लगाती रहूँ ॥
मैं तो, गोपाल, गोपाल, गाती...

कभी, चंदा में ढूँँ, कभी सूरज में ढूँँ ॥
कभी, तारों से, नज़रें, मिलाती फिरूँ ॥
मैं तो, गोपाल, गोपाल, गाती...

कभी, रोती फिरूँ, कभी गाती फिरूँ ॥
कभी, नाच नाच, तुमको, रिझाती रहूँ ॥
मैं तो, गोपाल, गोपाल, गाती...

कभी, घर घर में ढूँँ, कभी गलियों में ढूँँ ॥
मैं तो, योगन का भेस, बनाती फिरूँ ।
वृंदा, वन के, मैं फेरे, लगाती रहूँ ।
मैं तो, गोपाल, गोपाल, गाती...
अपलोडर-अनिलरामूर्तिभोपाल

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36715/title/main-to-gopal-gopal-gati-rah>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |